Printing Press from West Germany

2856. Shri N. R. Laskar: Will the Minister of **Education** be pleased to state:

(a) whether it is a fact that an up-to-date printing press was donated by Government of West Germany for the use of the Ministry of Education;

(b) if so, the purpose for which this printing press is to be utilized; and

(c) the probable site for the location of this press?

The Minister of Education (Dr. K. L. Shrimali): (a) Yes, Sir, the Government of West Germany has offered a press as gift.

(b) It is proposed to use this press for printing textbooks and children's books.

(c) The matter is under consideration.

एक आयरिश यात्री की मृत्यु

२८५७ **श्री भक्त दर्शन** : क्या **गृह-कार्य** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि २१/२२ मई की मध्य रात्रि को एक आयरिश यात्री, जो वायुयान द्वारा मेलबोर्न से आयरलैण्ड जा रहा था, रास्ते में ही मर गया और पालम हवाई अड्डे पर उस का पता लगा ; और

(ख) यदि हां, तो क्या उस यात्री की मृत्यु के कारणों व परिस्थितियों की जांच पड़ताल के परिणाम आदि पर प्रकाश डालने वाला एक विवरण सभा-पटल पर रखा जायेगा ?

गृह-कार्य मंत्रालय में राज्य-मंत्री (श्री दातार) : (क) जी हां ।

(ख) एक विवरण सदन के सभा-पटल पर रख दिया गया है ।

विवरण

६४ वर्षीय श्री जेम्स जोज्फ गाल एक आयरिश नागरिक था जो आस्ट्रेलिया में रहता था । वह भयंकर रूप से जोड़ों की सूजन का रोगी था । अपने जीवन के अंतिम दिन अपनी जन्म भूमि में गुजारने के लिये वह क्वांटस वायुयान परिवहन के वायुयान में सिडनी से लंदन जाने के लिये सवार हुआ । उसकी हालत ठीक नहीं थी; अतः रास्ते के सभी विराम-स्थलों को उसे यथा-सम्भव सुविधाएं देने के लिये समुद्री तार द्वारा सूचित कर दिया गया था । वायुयान के कप्तान को भी गाल की अवस्था के बारे में सूचित कर दिया गया था ।

मार्ग में २२.५.६२ को २.२० पूर्वाह्न पर श्री गाल की मृत्यु हो गई । उसी दिन ३.३० बजे पालम हवाई अड्डे पर पहुंचने से लगभग एक घंटा पूर्व उनकी मृत्यु का पता चला ।

लाश को उसी दिन पोस्टमार्टम के लिये भेजा गया । पोस्टमार्टम से ज्ञात हुआ कि मृत्यु स्वाभाविक कारणों से दिल की धड़कन रुक जाने के कारण हुई ।

दिल्ली में अग्नि कांड

२८५८. **श्री भक्त दर्शन :**
श्री दी० चं० शर्मा :
श्री राम सेवक यादव :

क्या **गृह-कार्य** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि २१ और २६ मई, १९६२ के बीच दिल्ली में आग लगने की कई घटनायें हुई हैं;

(ख) यदि हां, तो क्या उन सब के सम्बन्ध में एक विस्तृत विवरण सभा-पटल पर रखा जायेगा; और